



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-3, खण्ड (क)

(उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के विधेयक)

लखनऊ, सोमवार, 31 अगस्त, 2026

भाद्रपद 9, 1948 शक सम्वत्

विधान सभा सचिवालय

उत्तर प्रदेश

(संसदीय अनुभाग)

संख्या 1465/वि०स०/संसदीय/57(सं)-2026

लखनऊ, 4 अगस्त, 2026

अधिसूचना

प्रकीर्ण

उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) विधेयक, 2026, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा के दिनांक 4 अगस्त, 2026 के उपवेशन में पुरःस्थापित किया गया, उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 2023 के नियम 126 के अन्तर्गत एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन)
(संशोधन) विधेयक, 2026

उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन)
अधिनियम, 1979 का अग्रतर संशोधन करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के सतहत्तरवें वर्ष में एतद्वारा निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है:-

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) द्वितीय अधिनियम, 2026 कहा जायेगा।

(2) यह दिनांक 8 अप्रैल, 2026 से प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

संक्षिप्त नाम और
प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 35 सन् 1979 की धारा 9 का संशोधन 2-उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) अधिनियम, 1979 की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (एक) में शब्द, अंक और प्रतीक "मोटर यान अधिनियम, 1988 के; या" के स्थान पर शब्द, अंक और प्रतीक "मोटर यान अधिनियम, 1988 के ऐसा अपराध न हो जो गैर-शमनीय हो, अथवा जिसके लिए अनिवार्य कारावास उपबंधित हो, या जो पुनरावृत्ति अपराध की श्रेणी में आता हो; या" रख दिये जायेंगे ।

निरसन और व्यावृत्ति 3-(1) उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) अध्यादेश, 2026 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 9 सन् 2026) और उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) द्वितीय अध्यादेश, 2026 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 12 सन् 2026) एतद्वारा निरसित किये जाते हैं ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबंधों के अधीन कृत कोई कार्य या की गई कोई कार्यवाही, इस अधिनियम द्वारा यथासंशोधित मूल अधिनियम के सह प्रत्यर्थी उपबंधों के अधीन कृत या की गयी समझी जायेगी मानो इस अधिनियम के उपबंध सभी सारवान समयों में प्रवृत्त थे ।

उद्देश्य और कारण

कतिपय अपराधों का शमन एवं कतिपय आपराधिक विचारणों के उपशमन हेतु उपबंध करने के लिए कतिपय अधिनियमितियों में संशोधन किये जाने हेतु उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) अधिनियम, 1979 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 35 सन् 1979) अधिनियमित किया गया ।

माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष लम्बित रिट याचिका (सिविल) संख्या 295/2012 (एस0 राजसीकरण बनाम भारत संघ और अन्य) में, माननीय न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 20.11.2025 में पाया कि यदि कोई व्यक्ति वर्तमान में मोटर यान अधिनियम, 1988 के अधीन कोई अपराध करता है और जुर्माने का भुगतान नहीं करता है, तो एक निश्चित अवधि के पश्चात् कार्यवाही स्वतः उपशमित हो जाएगी। परिणामस्वरूप, गंभीर यातायात अपराधों से अंतर्ग्रस्त मामलों में, अपराधी बिना किसी सजा के बच जाएगा, जो कि एक अत्यंत गंभीर विषय है। ऐसी परिस्थितियों में, यातायात अपराधों में अंतर्ग्रस्त व्यक्तियों विशिष्टतः युवाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए कतिपय निवारक उपाय होने चाहिए।

उपर्युक्त के दृष्टिगत, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 9 में संशोधन करने का विनिश्चय किया गया ।

चूंकि राज्य विधानमंडल सत्र में नहीं था और पूर्वोक्त विनिश्चय को कार्यान्वित करने के लिए तुरन्त विधायी कार्यवाही आवश्यक थी, अतः राज्यपाल द्वारा दिनांक 13 मई, 2026 को उत्तर प्रदेश दण्ड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) (संशोधन) द्वितीय अध्यादेश, 2026 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 12 सन् 2026) प्रख्यापित किया गया ।

यह विधेयक पूर्वोक्त अध्यादेश को प्रतिस्थापित करने के लिए पुरःस्थापित किया जाता है।

योगी आदित्यनाथ
मुख्य मंत्री।

आज्ञा से,
प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव।

UTTAR PRADESH SARKAR
SANSADIYA KARYA ANUBHAG-1

No. 247/XC-S-1-26-27S-2026
Dated Lucknow, August 31, 2026

NOTIFICATION

MISCELLANEOUS

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the "Uttar Pradesh Dand Vidhi (Apradhon Ka Shaman Aur Vicharanon Ka Upshaman) (Sanshodhan) Vidheyak, 2026" introduced in the Uttar Pradesh Legislative Assembly on August 4, 2026.

THE UTTAR PRADESH CRIMINAL LAW (COMPOSITION OF OFFENCES
AND ABATEMENT OF TRIALS) (AMENDMENT)

BILL, 2026

A

BILL

further to amend the Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Act, 1979.

IT IS HEREBY enacted in the Seventy-seventh Year of the Republic of India as follows :-

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Second Act, 2026.

Short title and
commencement

(2) It shall be deemed to have come into force with effect from the 8th day of April, 2026.

2. In sub-clause (i) of Clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Act, 1979, *for* the words, figures and symbols "the Motor Vehicles Act, 1988; or", the words, figures and symbols "the Motor Vehicles Act, 1988, not being such offence which is non-compoundable, or for which mandatory imprisonment is provided, or which falls within the category of a repeat offence; or" shall be *substituted*.

Amendment of
Section 9 of U.P.
Act No. 35 of 1979

3.(1) The Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Ordinance, 2026 (U.P. Ordinance No. 9 of 2026) and the Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Second Ordinance, 2026 (U.P. Ordinance No. 12 of 2026) are hereby repealed.

Repeal and
saving

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Act, 1979 (U.P. Act No. 35 of 1979) has been enacted to amend certain enactments to provide for the composition of certain offences and for abatement of certain criminal trials.

In Writ Petition (Civil) No. 295/2012 (S. Rajaseekaran *versus* Union of India & Ors.), pending before the Hon'ble Supreme Court, the Hon'ble Court, in its order dated 20.11.2025, observed that if a person currently commits an offence under the Motor Vehicles Act, 1988 and does not pay the fine, then after a certain period the proceedings would automatically abate. As a result, in cases involving serious traffic offences, the offender would escape without any punishment, which is an extremely serious matter. In such circumstances, there should be certain deterrent measures to ensure control over persons involved in traffic offences, particularly young people.

In view of the above, it was decided to amend Section 9 of the aforesaid Act.

Since the State Legislature was not in session and immediate legislative action was necessary to implement the aforesaid decision, the Uttar Pradesh Criminal Law (Composition of Offences and Abatement of Trials) (Amendment) Second Ordinance, 2026 (U. P. Ordinance No. 12 of 2026) was promulgated by the Governor on May 13, 2026.

This Bill is introduced to replace the aforesaid Ordinance.

YOGI ADITYANATH
Mukhya Mantri.

By order,
J. P. SINGH-II,
Pramukh Sachiv.